सं.16015/1/2022-पीएमआई

भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली

दिनांक: 29th अगस्त 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह जुलाई, 2024 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को उर्वरक विभाग का माह जुलाई, 2024 का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(अनिल फुलवारी)

निदेशक (पीएमआई)

दूरभाष: 011-23389839

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव।
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव।
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: उर्वरक विभाग का माह जुलाई, 2024 का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	26.54	102.16
डीएपी	3.73	13.73
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.52	1.96
मिश्रित उर्वरक	9.86	35.02
सिंगल सुपर फॉस्फेट	4.22	17.31

स्रोत: dbtfert.nic.in 06.08.2024 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	37.35	133.02	46.54
डीएपी	11.54	26.13	10.31
एमओपी	1.89	9.83	1.82
एनपीके	14.70	65.15	18.10

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	0.55
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	1.38
डीएपी	3.48
एनपीके	3.93

4. जुलाई, 2024 के दौरान तालचेर उर्वरक परियोजना की वृद्धिशील प्रगति:

(क) <u>तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करना:</u>

भारत सरकार ओडिशा के अंगुल जिले में स्थित मेसर्स एफसीआईएल की तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए अधिदेशित है। तदनुसार,12.7 एलएमटीपीए क्षमता के कोयला गैसीकरण-आधारित अमोनिया यूरिया संयंत्र की स्थापना के लिए तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई है, जो भारत में अपनी तरह की पहली है। इस संयंत्र की आधारशिला माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17 फरवरी, 2019 को रखी गई थी। थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की साम्या 31.85% है और एफसीआईएल की साम्या 4.45% है। सीसीईए ने दिनांक 21.02.2024 को आयोजित बैठक में टीएफएल की परियोजना में आरसीएफ द्वारा 2169.67 करोड़ रुपए (±10%) के कुल संशोधित साम्या निवेश को अनुमोदित किया।

(ख) माह जुलाई, 2024 के दौरान टीएफएल संयंत्र के प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :-

I. <u>परियोजना की समग्र प्रगति</u>:

i. 30 जून, 2024 तक 61.7% की तुलना 31 जुलाई, 2024 तक परियोजना की समग्र प्रगति 62.33 %, अर्थात 0.96% की प्रगति है।

ii. 2545 मीट्रिक टन में से कोयला गैसीकरण फ्रेम की 2439 मीट्रिक टन स्टील संरचना का निर्माण पूरा हो गया है।

iii. गैसीफायर ए और गैसीफायर बी का रेफ़रेकट्री लाइनिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

iv. कच्चे पानी की पाइपलाइन बिछाने के 12 किलोमीटर के कार्य में से 6.15 किलोमीटर का कार्य पूरा कर लिया गया।

v. प्रिलिंग टॉवर की अपेक्षति 124 मीटर की ऊंचाई में से 98.20 की ऊंचाई तक निर्मित कर लिया गया है।

II. <u>ओएसबीएल पैकेजेस की प्रगति (भारतीय संविदाकारों द्वारा)</u>:

31 जुलाई, 2024 की स्थिति के अनुसार ओएसबीएल पैकेजों की समग्र प्रगति 70.70% है जो काफी संतोषजनक है। वृद्धिशील मासिक प्रगति स्थिर रही है। 2,055 करोड़ रुपये की कुल लागत वाले पांच ओएसबीएल पैकेज पूरा होने के अग्रिम चरण में हैं। ओएसबीएल पाइप रैक, प्लांट लाइटिंग और सप्लाइ तथा आपातकालीन डीजल जनरेटर सिस्टम की स्थापना का कार्य अक्टूबर 2024 के अंत तक पूरी हो जाएगी। वर्षा जल उपचार पैकेज और स्टीम जनरेशन प्लांट का बॉयलर-I का कार्य नवंबर 2024 के अंत तक पूरा हो जाएगा।

III. डब्ल्यूईसीएल पैकेजों से संबंधित मुद्दे:

i. मई 2024 से, डब्ल्यूईसीएल के दृष्टिकोण में अचानक बदलाव आया, जिससे कार्य प्रगति में भारी गिरावट आई, जिसमें उनकी ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं थी।

ii. जुलाई 2024 के दौरान, डब्ल्यूईसीएल ने जून 2026 तक समय विस्तार, एलएसटी के संविदा से परे लगभग 2500 करोड़ रुपए के लागत क्षतिपूर्ति, संशोधित भुगतान शर्तों और अपने कर्मचारियों और छोटे-संविदाकारों के लिए 1000 से अधिक वीजा का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

iii. डब्ल्यूईसीएल अपने चालानों के माध्यम से प्राप्त की जा रही निधियों को पुन परिचालित नहीं कर रहा है/लंबित खरीद कार्यकलापों के लिए निधियां प्राप्त नहीं कर रही।

iv. डब्ल्यूईसीएल नई संविदाओं से निधियों का निवेश नहीं कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप स्थल पर निर्माण जनशक्ति और मशीनरी अपर्याप्त है। जुलाई के दौरान 4000-4500 की न्यूनतम आवश्यकता की तुलना में नियोजित श्रमिकों की कुल संख्या 1700 थी।

v. डब्ल्यूईसीएल पैकेजों की प्रगति की नियोजित करने और उसमें तेजी लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुद्दों के समाधान के लिए टीएफएल/पीडीआईएल द्वारा 45 से अधिक वीसी बैठक/समीक्षा की गई। विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्य और उपकरण निर्माण की निगरानी के लिए समर्पित टीएफएल/पीडीआईएल दलों का गठन किया गया है। भागीदार अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों की मासिक समन्वय बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।

iv. सचिव (उर्वरक) नें डब्ल्यूईसीएल की समीक्षा की है और डब्ल्यूईसीएल के साथ लगातार बातचीत करने और प्रगति में तेजी लाने और मौजूदा एलएसटीके अनुबंध और खरीद नियमों और

दिशानिर्देशों के आलोक में उनकी मांगों की जांच करने का निर्देश दिया। टीएफएल को भी ओएसबीएल पैकेजों को समय पर पूरा किए जाने को सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया गया है।

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल उपलब्ध बजट अनुमान के 2024-25 के 168130.81 करोड़ रुपये की तुलना में जुलाई 2024 के दौरान उर्वरक सब्सिडी के प्रशासन पर व्यय 16199.63 करोड़ रुपये (यूरिया: 11350.20 करोड़ रुपये, पीएंडके: 4845.15 करोड़ रुपये, स्थापना: 3.43 करोड़ रुपये, गोबरधन के लिए एमडीए: 0.52 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 0.32 करोड़) था। अप्रैल से जुलाई, 2024 के दौरान प्रगतिशील व्यय 45242.01 करोड़ रुपये (यूरिया: 32461.52 करोड़ रुपये, पीएंडके: 12759.32 करोड़ रुपये, स्थापना: 15.75 करोड़ रुपये, डीबीटी: 2.07 करोड़ रुपये, पूंजीगत व्यय: 0.33 करोड़ रुपये और गोबरधन के लिए एमडीए: 3.02 करोड़ रुपये) अर्थात कुल आवंटन का लगभग 26.91% था।

****